

Thermal Plant at Cochin

*231. Shri P. P. Esthose:
Shri N. Sreekantan Nair:
Shri Vasudevan Nair:
Shri C. Janardhanan:

Will the Minister of Irrigation and Power be pleased to state:

(a) the present stage of the proposed thermal plant at Cochin;

(b) the steps which Government have taken to start this at an early date; and

(c) the generating capacity of the proposed plant?

The Minister of Irrigation and Power (Dr. K. L. Rao): (a) to (c). In May, 1966, a scheme for establishing a 30 Megawatt thermal power station near Cochin was sanctioned, based on utilisation of about 40,000 tons of furnace oil from the Cochin Refinery. Subsequently, the Ministry of Petroleum and Chemicals intimated that as a result of re-appraisal of the demand forecasts for the petroleum products and the local production available, it would be possible to supply adequate fuel oil for a larger power plant. It was, therefore, decided to instal a 55 Megawatt generating unit instead of 30 Megawatt in order to improve the reliability of power supply in Kerala. This proposal has been considered by the Planning Commission, who, in September, 1966 asked the Government of Kerala to forward the revised project report to Central Water and Power Commission. This was received in March, 1967 and is under examination. The question of procurement of the generating plant and equipment is also under consideration.

हैजा

* 232. श्री स० चं० सामन्त :

श्री अ० कु० किष्कु :

श्री श० ना० माइती :

श्री बिदिव कुमार चौधरी :

श्री यशपाल सिंह :

श्री चिन्तामणि पाणिग्रही :

श्री रामचन्द्र उलाका :

श्री धुलेश्वर मीना :

श्री ख० प्रधानी :

श्री हीरजी भाई :

श्री जगन्नाथ राव जोशी :

श्री तुकम चन्द कछवाय :

श्री राम सिंह अग्रवाल :

श्री श्रींकार लाल बेरवा :

क्या स्वास्थ्य तथा परिवार नियोजन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) पिछले वर्ष अन्त में तथा चालू वर्ष के आरम्भ में हैजा तथा अन्य संक्रामक रोगों में अत्यधिक वृद्धि के क्या कारण हैं;

(ख) किन किन राज्यों में इन रोगों का भीषण प्रकोप है और उसके फलस्वरूप कितने व्यक्तियों की मृत्यु हुई है;

(ग) इन रोगों को फैलने से रोकने के लिए क्या कार्यवाही की गई है; और

(घ) क्या इन रोगों को रोकने के लिये राज्य सरकारों ने केन्द्रीय सरकार से विशेष सहायता मांगी है; और यदि हां, तो उनकी मांग को पूरा करने के लिये क्या कदम उठाये गये हैं ?

स्वास्थ्य तथा परिवार नियोजन मंत्री

(डा० श्रीमती चन्द्र शेखर) : (क) गत वर्ष के अन्त में और चालू वर्ष के प्रारम्भ में इस रोग के अण्डमान और निकोबार द्वीप समूह में, जहाँ यह संक्रमण मुख्य भूमि से गया, फैलने के अलावा इस रोग की घटनाओं में कोई असाधारण वृद्धि नहीं हुई है। रोग की सूचना मिलते ही उस पर काबू पा लिया गया है। तथापि चेचक की घटनाओं में वृद्धि हुई है जिसके कारण इस प्रकार हैं :—

(1) हर पांच से सात वर्ष के बाद इस रोग की पुनरावृत्ति की संभावना रहती है। 1967-68

के वर्ष को इस धातु का वर्ष होने का अनुमान है।

(2) यह इस रोग का सामान्य समय का आसन्नता इस रोग का प्रकोप नवम्बर से अप्रैल तक के महीनों में अधिक रहता है।

(3) बिना टीका लगे घुमनू लोगों का आवागमन।

(4) भ्रमण जिसके कारण इस रोग की तुरन्त सूचना नहीं मिल पाती और लोग टीका भी नहीं लगाते।

हिमाचल प्रदेश से प्लेग की और जबलपुर (मध्य प्रदेश) स डेंगू की कुछ बटनाओं की सूचना मिली थी।

(ख) विशेषतया चेचक से प्रभावित राज्यों और बीलों की संख्या इस प्रकार है :—

क्रम	राज्य का संख्या	नाम	अक्टूबर 1966 के अप्रैल 1967 तक चेचक के कारण हुई मौतें
------	-----------------	-----	---

1. महाराष्ट्र 2941†

2. बिहार 1864†

3. उत्तर प्रदेश 1136†

(ग) चेचक के टीके और दुसरा टीके लगाने का काम समायोजन शुरू कर दिया गया है। कुछ राज्यों में इस कार्य के लिए प्रतिष्ठित फ़िन्ड स्टाफ़ भर्ती किया गया है। राष्ट्रीय चेचक उन्मुक्त कार्यक्रम

के अन्तर्गत गत कुछ वर्षों में निरन्तर प्रचार कार्य होने से चेचक की बहुत ही बटनाओं की सूचना मिलने में सहायता मिली है। जिन पर अब तक टीका लगना छूट गया था उन पर टीका लगाने के प्रयास तेज कर दिये गये हैं।

प्लेग और डेंगू के रोगों को रोकने के लिए राष्ट्रीय संचारी रोग संस्थान ने प्रयत्न किये। लोगों की रक्षा के लिए प्रभावित क्षेत्रों में सामूहिक रूप से प्लेग के टीके लगाये गये प्रभावित और पड़ोसी गांवों में कीट-नाशकों का छिड़काव किया गया।

जहां तक जयलपुर में डेंगू का प्रश्न है भविष्य में इस रोग के फैलाव को न होने देने के लिए जो नियंत्रण उपाय सुझाये गये वे स्थानीय स्वास्थ्य अधिकारियों ने वे सभी उपाय बरते।

(घ) प्लेग और डेंगू के नियंत्रण के लिए राज्य सरकार ने विशेष मदद मांगी थी। राष्ट्रीय संचारी रोग संस्थान ने तुरन्त प्रयत्न कार्य किये तथा प्रभावकारी नियंत्रण उपायों को बरतने में तुरन्त मदद दी।

Purchase of Aviation Fuel by Nepal

*223. Shri Atam Das:

Shri Hema Raj:

Will the Minister of Petroleum and Chemicals be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Nepal has stopped purchasing aviation fuel from India;

(b) if so, the reasons therefor;

(c) the anticipated loss to be incurred; and

(d) whether Government have offered some more concessions to the Government of Nepal to purchase aviation fuel from India?

† प्रांतीय अस्पताल हैं।